मेरे जीवन का सबसे खुशी भरा दिन

The Happiest Day of My Life

इंसान का जीवन सुखों तथा दु:खों का मिश्रण है। खुशी के पल उसके जीवन में बहुत कम आते हैं। जब भी कोई हंसी-खुशी वाला मौका आए तो व्यक्ति बाकी सब भूल जाता है। जीवन उसे एक मीठा स्वप्न लगता है। वह उसका अच्छी तरह आनंद उठाता है।

10 जून, 2008 मेरे जीवन का सबसे खुशी वाला दिन था। इस दिन मेरा फाइनल परीक्षा का नतीजा घोषित हुआ था। मैंने प्रथम स्थान प्राप्त किया था। उस वक्त मेरी खुशी का कोई ठिकाना न रहा। मेरे माता-पिता ने मुझे गले से लगा लिया। मेरे मित्र मेरे घर आकर मुझे बधाई दे रहे थे। मेरे लिए उनके प्रेम को देख कर मैं खुशी से भर गया। मैंने उन्हें चाय नाश्ता करवाया। वे सब यह जानना चाहते थे कि मैं आगे क्या करने वाला हूँ? |

दोपहर के समय मैं अपने मित्रों तथा रिश्तेदारों के बीच बैठा था। तभी उस समय एक कोरियर आया। उसमें एक पत्र था। जब उसे मैंने खोला तो मैं खुशी से गद्-गद् हो गया।

मैंने हरियाणा लाटरी जीती थी। यह पूरे 15 लाख का ईनाम था। एक झटके में मैं लखपति बन गया। हम सब भगवान् का धन्यवाद करने मंदिर गए। ईश्वर मुझ पर बहुत दयालु थे।

इस प्रकार शाम हो गई। मेरा बड़ा भाई दफ्तर से घर लौटा। उसने अपने हाथ में मिटाई का डिब्बा पकड़ा हुआ था। उसने बताया कि उसकी कंपनी उसे उच्च ट्रेनिंग के लिए विदेश भेज रही है। इसलिए वह अगले हफ्ते अमरीका जा रहा है। यह एक और खुशी वाली थी। यह दिन मेरे लिए बहुत शुभ था। इस दिन मुझे एक के बाद एक खुशी मिली। मैं इस को कभी भुला नहीं सकता। इस तरह यह मेरे जीवन का सबसे खुशी भरा दिन रहा।